

# सेंट एंड्रयूज स्कॉट्स सीनियर सेकेंडरी स्कूल

९वीं एवेन्यू, आई.पी.एक्स्टेंशन, पटपडगंज, दिल्ली – ११००९२

सत्र: 2025-26

कक्षा:- 7

विषय: हिंदी पाठ्यपुस्तक

पाठ: 13 अनोखी प्रतिभा: बैंजामिन फ्रैंकलिन

## पाठ 13. अनोखी प्रतिभा: बैंजामिन फ्रैंकलिन

### मौखिक कौशल

- बैंजामिन फ्रैंकलिन का जन्म 17 जनवरी, 1706 को बोस्टन में हुआ था।
- फ्रैंकलिन के पिता साबुन और मोमबत्ती बनाने का काम करते थे।
- फ्रैंकलिन को खराब मौसम का इंतजार था।
- फ्रैंकलिन की मृत्यु 17 अप्रैल, 1790 में अमेरिका में हुई।
- फ्रैंकलिन के अधिकांश आविष्कार रोज़मर्रा की आम समस्याओं को हल करने के दौरान हुए और यही बात उन्हें बहुत खास बनाती है।

### लिखित कौशल

- (क) बैंजामिन फ्रैंकलिन संयुक्त राज्य अमेरिका के संस्थापकों में से एक थे।
- (ख) बैंजामिन फ्रैंकलिन आविष्कार करना चाहते थे कि आकाश में चमकने वाली बिजली और बिजली के तारों में बहने वाली बिजली, दोनों एक ही है।
- (ग) बैंजामिन फ्रैंकलिन ने रेशमी कपड़े से बनी पतंग आसमान में उड़ाई। पतंग के ऊपरी सिरे पर एक लंबा ताँबे का तार तथा पतंग की डोर में अंतिम छोर पर लोहे की एक चाबी बाँधी गई थी। खराब मौसम के कारण अचानक बिजली चमकी और पानी की बूँदों से पतंग की डोर भीग गई थी। फ्रैंकलिन ने अपनी छड़ी से चाबी को हुआ तो पूरे शरीर में बिजली का झटका

महसूस हुआ। यह स्पष्ट हो गया कि आकाश में चमकने वाली बिजली भी तारों में बहने वाली बिजली ही है। इस प्रकार फ्रैंकलिन का आविष्कार साकार हुआ।

(घ) फ्रैंकलिन छड़ को ऊँचे भवनों पर आकाशीय बिजली के झटके से बचाने के लिए लगाया जाता है। इससे मकान सुरक्षित रहता है।

(ङ) बैंजामिन फ्रैंकलिन के अधिकांश आविष्कार रोज़मर्रा की आम समस्याओं को हल करने के दौरान हुए। उन्होंने बाइफोकल चश्मे का आविष्कार किया जिससे पास तथा दूर का दोनों ही देखा जा सकता है। मकानों में रोशनदान न लगे होने से बीमारी तुरंत फैलने का डर होता है। इसकी खोज भी उन्होंने ही की।

(च) बैंजामिन फ्रैंकलिन की खोजों का मुख्य उद्देश्य उन्हें फैलाना था। उन्होंने अपने किसी भी आविष्कार को पेटेंट नहीं कराया।

2. (क) चाबी (ख) छायादार (ग) मौसम, खराब (प) हलका झटका (ड) लाभ (च) गणना, वैज्ञानिकों

3. (क) विलियम ने (ख) बैंजामिन फ्रैंकलिन ने

## मूल्यपरक प्रश्न

- आविष्कारों का हमारे जीवन में बहुत महत्व है। विज्ञान और नई-नई तकनीकों ने मनुष्य के जीवन को आसान बना दिया है। आज के आधुनिक युग में इन्हीं आविष्कारों के कारण मनुष्य का जीवन सुखी और सुविधाजनक हो गया है। नए-नए आविष्कारों के कारण मनुष्य अधिक से अधिक कार्य करके कामयाबी की नई ऊँचाइयों को छूने में सफल हुआ है।
- इस वाक्य द्वारा बैंजामिन फ्रैंकलिन के व्यक्तित्व की समाज-सेवा की भावना प्रकट होती है।